Medicinal Plants of India

India's geographical diversity has blessed it with an unparalleled wealth of medicinal plants, which form the bedrock of various traditional systems of Medicine. The following five plants, in particular, showcase the varied therapeutic potential and the targeted use of specific plant parts in healing practices:

Asparagus racemosus Willd. (Shatavari): The plant is a perennial, prickly climber and a highly branched undershrub found throughout the tropical and subtropical regions of India. It is used as an adaptogen to help the body manage stress, supporting reproductive health, digestion, immunity, and overall vitality.

Centella asiatica L. (Mandukparni): A perennial prostrate herb with creeping stems that root at the nodes, it has simple, reniform leaves with long petioles. The inflorescence is a loose, sub-capitate umbel. The dried whole plant is used for fever, itching, cough and anemia.

Piper longum L. (Pippali): A slender, aromatic, creeping perennial herb, the plant is used in dyspepsia, abdominal pain and diuretic splenopathy, anorexia, asthma and fever.

Tinospora cordifolia (Willd.) Miers ex Hook.f. & Thoms. (Guduchi): A large, extensively spreading perennial woody climber with succulent stems, its stem is used for treating fever, cough, gout, worm infestation, anemia and skin diseases.

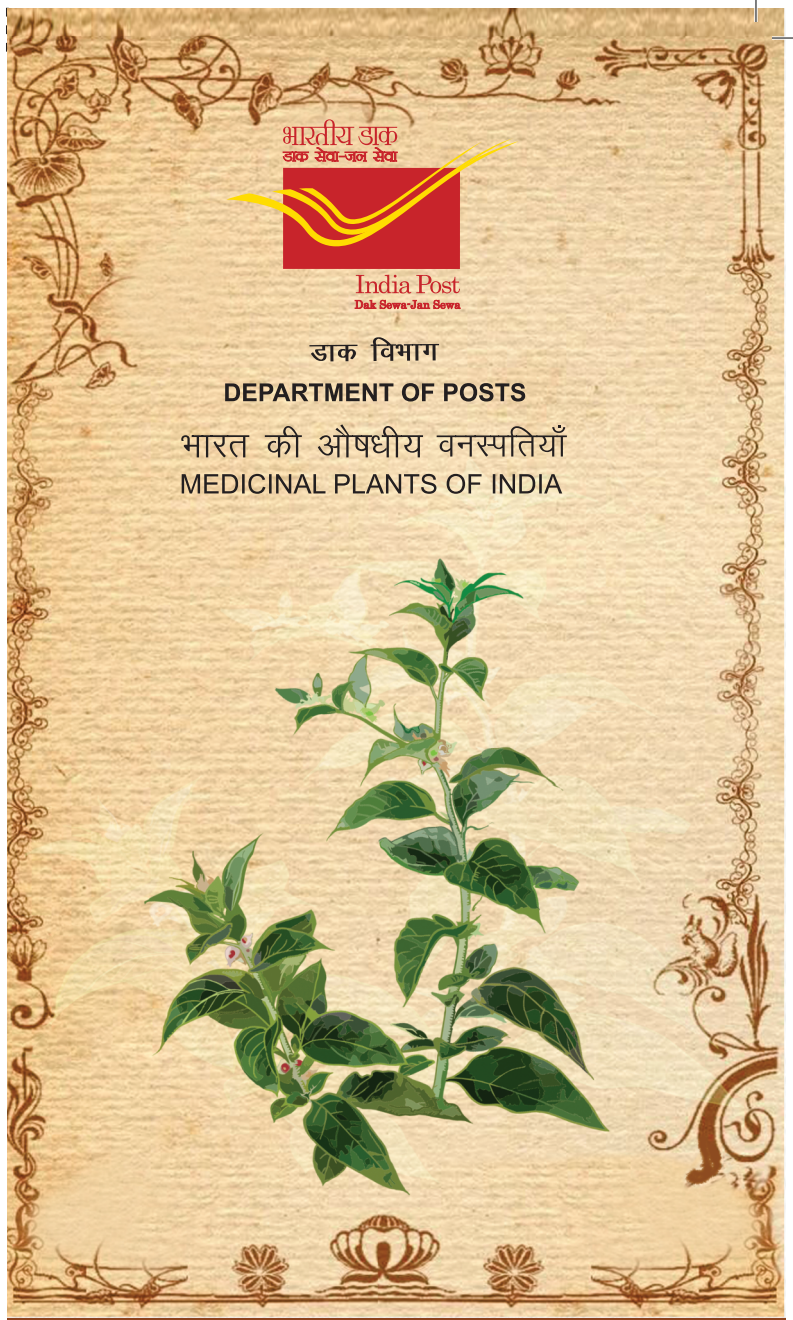
Withania somnifera (L.) Dunal (Ashwagandha): A perennial herb and erect, branched undershrub growing up to 1.25 m in height. It is useful as a rejuvenator and promotes intellect, stability and strength.

India is not only home to diverse medicinal plants but also a global centre of botanical knowledge, with traditional systems documenting nearly 8,000 plant-based remedies. A large share of the population, especially in rural areas, still depends on these accessible and time-tested natural medicines. Growing global preference for safe, holistic, plant-based products has further increased demand, making India one of the world's leading exporters of medicinal plants and a key supplier to the herbal, nutraceutical and pharmaceutical industries.

Department of Posts is proud to issue a set of Commemorative Postage Stamps honoring the treasures of nature and traditional knowledge of India, promoting well-being and health through vital medicinal plants like Shatavari, Mandukparni, Pippali, Guduchi and Ashwagandha.

Credits:

Stamps/Souvenir Sheet/ FDC/ Brochure/Cancellation Cachet	:	Shri Anuj Kumar
Text	:	Based on the content provided by National Medicinal Plants Board, Ministry of AYUSH



भारत की औषधीय वनस्पतियाँ

भारत की भौगोलिक विविधता ने देश को औषधीय वनस्पतियों की अमूल्य संपदा प्रदान की है, जो चिकित्सा की विभिन्न पारंपरिक पद्धतियों का आधार रही हैं। निम्नलिखित पांच वनस्पतियों के अलग–अलग भागों की अलग–अलग उपचारात्मक क्षमता है, और इनके विशिष्ट भागों का विशिष्ट उपचार पद्धतियों में उपयोग किया जाता है:

एस्पेरेगस रेसमोसस विल्ड. (शतावरी): ढेर सारी लंबी–लंबी कांटेदार शाखाओं वाला यह झाड़ीनुमा पौधा, बारहमासी पौधा है, जो भारत के उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय भागों में पाया जाता है। इसका उपयोग शरीर को तनाव प्रबंधन करने, प्रजनन स्वास्थ्य में सुधार, पाचन, रोग प्रतिरोधक क्षमता तथा समग्र प्राणशक्ति बढ़ाने में मदद करने वाले एडाप्टोजेन के रूप में किया जाता है।

सेंटेला एशियाटिका एल. (मण्डूकपर्णी): यह एक बारहमासी अधोमुखी वनस्पति है। जिसकी जड़ें उसके लचीले तने की गांठों से निकलती हैं। इसकी पत्तियां साधारण, वृक्काकार, लंबे पर्णवृंत वाली होती हैं। इसका शीर्षाभ छत्रक वाला पुष्पक्रम काफी विरल होता है। इसके समस्त पौधे को सुखाकर इसका उपयोग बुखार, खुजली, खांसी और रक्ताल्पता के उपचार के लिए किया जाता है।

पाइपर लोंगम एल. (पिप्पली): यह पतली, सगंधीय, रेंगने वाली बेल, बारहमासी वनस्पति है। इसका उपयोग अपच, पेट दर्द और मूत्रवर्धक स्प्लेनोपैथी, एनोरेक्सिया, अस्थमा, बुखार में किया जाता है।

टिनोस्पोरा कॉर्डिफोलिया (विल्ड.) मियर्स एक्स हुक. एफ. एंड थॉमस (गुडूची): लंबी–लंबी बेलों वाला यह बारहमासी पौधा व्यापक रूप से फैलता है। इस काष्ठीय लता का तना रसदार होता है, जिसका उपयोग बुखार, खांसी, गठिया, कृमि संक्रमण, रक्ताल्पता और त्वचा रोगों के लिए किया जाता है।

विथानिया सोम्नीफेरा (एल.) डुनल (अश्वगंधा): यह सीधी खड़ी शाखाओं वाली बारहमासी झाड़ीनुमा वनस्पति है, जिसकी शाखाएं 1.25 मीटर तक लंबी होती हैं। यह दीर्घ यौवन प्रदाता और बुद्धि, स्थिरता तथा शक्ति वर्धक के रूप में उपयोगी है।

भारत न केवल विभिन्न प्रकार की औषधीय वनस्पतियों का घर है, बल्कि यह वनस्पतियों से संबंधित ज्ञान–विज्ञान का वैश्विक केंद्र भी है। यहां की पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों के अंतर्गत लगभग 8,000 वनस्पति आधारित उपचारों का प्रलेखन किया गया है। देश की जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा, विशेषतः ग्रामीण क्षेत्रों में, आज भी इन सुलभ और चिर–परीक्षित प्राकृतिक औषधियों पर निर्भर है। वनस्पतियों से निर्मित सुरक्षित और स्वास्थ्यवर्धक गुणों से भरपूर उत्पादों की विश्व भर में बढ़ती लोकप्रियता ने इनकी मांग को और भी अधिक बढ़ा दिया है। परिणामतः भारत देश औषधीय वनस्पतियों के क्षेत्र में विश्व के सबसे बड़े निर्यातकों में से एक के रूप में उभरा है; और हर्बल, न्यूट्रास्युटिकल और फार्मास्युटिकल उद्योग का प्रमुख आपूर्तिकर्ता बन गया है।

डाक विभाग, शतावरी, मण्डूकपर्णी, पिप्पली, गुडूची, और अश्वगंधा जैसी महत्वपूर्ण औषधीय वनस्पतियों के उपयोग से निरोगी और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने वाली भारत की प्राकृतिक संपदा और उसके पारंपरिक ज्ञान के सम्मान स्वरूप स्मारक डाक–टिकट जारी करते हुए गर्व का अनुभव करता है।

आभार :

डाक–टिकट/सुवेनियर शीट/प्रथम दिवस आवरण/विवरणिका/विरूपण कैशे पाठ : श्री अनुज कुमार

: राष्ट्रीय औषधीय पादक बोर्ड (एन.एम.पी.बी.), आयुष मंत्रालय द्वारा प्रदत्त सामग्री पर संदर्भित

तकनीकी आंकड़े

TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग	: 500 पैसे (5)
Denomination	: 500p (5)
सोवीनियर शीट मुल्य	: 2500 पैसे
Souvenir Sheet Price	: 2500p
मुद्रित सोवीनियर शीट	: 1,11,000
Souvenir Sheets Printed	: 1,11,000
मुद्रण प्रक्रिया	: वेट ऑफसेट
Printing Process	: Wet Offset
मुद्रक	: प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	: Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at Philately Bureaus across India and online at http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

©डाक विभाग, भारत सरकार। डाक टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

©Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the Stamp, First Day Cover and Information Brochure rest with the Department.

मूल्य ₹ 15.00